भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2519

04.08.2025 को उत्तर के लिए

आइडियाज़4लाइफ पहल

2519. डॉ. संजय जायसवाल :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आइडियाज़4लाइफ पहल के अंतर्गत प्राप्त प्रविष्टियों की कुल संख्या और विजेताओं को शॉर्टलिस्ट करने हेतु अपनाये जाने वाले मानदंड क्या हैं;

(ख) प्रविष्टियों में प्रतिनिधित्व करने वाली शैक्षणिक संस्थाओं, राज्यों और प्रतिभागियों की श्रेणियों की संख्या कितनी है; और

(ग) क्या यह पहल "विकसित भारत @2047" और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली (लाइफ) के व्यापक राजनीतिक दृष्टिकोण के अनुरूप है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) आइडियाज़4लाइफ पहल के अंतर्गत प्राप्त प्रविष्टियों की कुल संख्या 1384 थी। विचारों का मूल्यांकन तीन चरणीय मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया।

चरण-I मूल्यांकन में विचारों की पूर्णता और मौलिकता सुनिश्चित करने के लिए विचारों की प्रारंभिक जांच शामिल थी।

चरण-2 में, उच्चतर शिक्षा विभाग के पैनल में शामिल मूल्यांकनकर्ताओं ने पाँच मानदंडों पर विचारों का मूल्यांकन किया, अर्थात् नवाचार क्षमता, व्यवहार्यता, प्रभाव, मापनीयता और संधारणीयता।

चरण-3 में, मंत्रालय द्वारा विधिवत गठित राष्ट्रीय स्तर की एक जूरी ने उन्हीं पाँच मानदंडों के आधार पर सात विषयों में से प्रत्येक में शीर्ष 3 विचारों का चयन किया, अर्थात् नवाचार क्षमता, व्यवहार्यता, प्रभाव, मापनीयता और संधारणीयता।

(ख) प्रविष्टियों में 26 राज्यों और 5 संघ राज्य क्षेत्रों के 382 शैक्षणिक संस्थानों का प्रतिनिधित्व था। प्रतिभागियों की चार श्रेणियाँ थीं नामत: छात्र, संकाय, शोधार्थी और अन्य।

(ग) आइडियाज4लाइफ पहल की संकल्पना मिशन लाइफ के व्यापक ढांचे के तहत की गई थी, जिसमें मिशन लाइफ के सभी विषयों पर छात्रों, संकाय, शोधार्थियों, अन्य लोगों से विचार मांगे गए थे। सात विषयों में से प्रत्येक से शीर्ष 3 विचारों वाले 21 विचारों को विजेता विचारों के रूप में चुना गया।

पर्यावरणीय स्थिरता, विकसित भारत 2047 के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। आइडियाज4लाइफ, संधारणीय जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए नवाचार और कार्रवाई-योग्य समाधानों के माध्यम से व्यवहारगत परिवर्तन को प्रोत्साहित करता है। इस तरह की पहलों के माध्यम से युवाओं और शैक्षणिक प्रतिभाओं को शामिल करके, उन्हें पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में सक्रिय भागीदार बनाएँ और इस प्रकार विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करें।

****